ECPAT International

ECPAT TAIWAN 台灣展翅協會

सहायक निर्देश

नाबालिग बच्चों के लैंगिक उत्पीड़न पर नैतिक अनुसंधान हेतु

दिसंबर २०१९

यह प्रकाशन स्वीडिश इंटरनेशनल डेवलपमेंट कोऑपरेशन एजेंसी (सिदा) और ओक फाउंडेशन की वित्तीय सहायता से निर्मित किया गया है।

हम इस परियोजना को संभव बनाने के लिए ताइवान पुनर्जागरण फाउंडेशन के उदार वित्तीय समर्थन को भी आभार सहित स्वीकार करना चाहेंगे।

यहाँ व्यक्त किया गए विचार केवल ECPAT इंटरनेशनल के हैं। व्यक्त किये गए राय के सम्बन्ध में दाताओं का किसी भी प्रकार का समर्थन स्थापित नहीं होता है।

इस प्रकाशन का डिजाइन और लेआउट **मनिदा नबकलंग** द्वारा किया गया है :

इस प्रकाशन के अवतरण केवल ECPAT अंतर्राष्ट्रीय की अनुमति और स्रोत एवं ECPAT अंतर्राष्ट्रीय की स्वीकृति के साथ पुन: प्रस्तुत किया जा सकता है। अवतरित सामग्री का उपयोग करके प्रासंगिक प्रकाशन की एक प्रति ECPAT को प्रदान की जानी चाहिए।

सुझाए गए उद्धरण:

ECPAT इंटरनेशनल (२०१९) है। बच्चों के साथ होने वाले यौन शोषण पर नैतिक अनुसंधान के लिए दिशानिर्देश। बैंकॉक: ECPAT इंटरनेशनल।

अनुवाद और लेआउट – **EQUATIONS**

©ECPAT International, 2019

Published by:
ECPAT International
328/1 Phaya Thai Road, Ratchathewi,
Bangkok, 10400 Thailand
Tel: +662 215 3388 |www.ecpat.org | info@ecpat.org

स्वीकृतियाँ

यह दिशानिर्देश, चुंग चेंग विश्वविद्यालय ताइवान, ECPAT ताइवान और ECPAT इंटरनेशनल के बीच एक अविरत सहयोग परियोजना का परिणाम हैं।

साझेदार ,बच्चों के यौन शोषण पर अनुसंधान में नैतिक अभ्यास को बेहतर बनाने और बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दिशानिर्देश ECPAT सदस्य और अन्य संगठनों के कार्य समूह द्वारा विकसित किए गए है इनमे शामिल हैं:

Amy Huey-Ling Shee (Chung Cheng University, Taiwan)
Mark Capaldi (Mahidol University)
Yi-Ling Chen (ECPAT Taiwan)
Chia-Wei Lin (ECPAT Taiwan)
Carrie van der Kroon (Defence for Children-ECPAT, Netherlands)
Tufail Muhammad (Pakistan Pediatric Association)
Joyatri Ray (EQUATIONS, India)
Barima Amankwaah (GNCRC, Ghana)
Morenike Adeoye-Omaiboje (Women's Consortium of Nigeria)
Erika Georg-Monney (ECPAT Germany)
Mark Kavenagh (ECPAT International)

हम अन्य कई अकादमिक और फील्ड एक्सपर्ट कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद देना चाहेंगे जिन्होंने 2019 के दौरान इस दस्तावेज़ के दो ड्राफ्टों पर विस्तृत प्रतिक्रिया प्रदान की है

अनुक्रमणिका

परिचय	2
मार्गदर्शक सिद्धांत	3
चरण-१: क्या बच्चों को आपके अनुसंधान में शामिल करना चाहिए ?	4
चरण-२: नैतिक विषय	5
१. बच्चों कि सार्थक भागीदारी	6
२. कार्यप्रणाली पर विचार	8
३. सूचित सहमति	10
४. व्यक्तिगतता एवं गोपनीयता	12
५. उत्पीड़न का शक और खुलासा	14
६. भुगतान एवं भरपाई	16
७. हितों के संघर्ष	18
चरण ३: लाभ हानि का विश्लेषण	20
चरण ४: तृतीय पक्ष समीक्षा	21
परिषिस्ट: लाभ हानि तालिका	22

परिचय

बच्चों पर किये गए लैंगिक उत्पीड़न पर शोध करते समय कई सारे नैतिक प्रश्न एवं दुविधाएं उठ खड़े होते है। इनमें से कुछ प्रश्न तो ऐसे ही होते है जैसे कि किसी अन्य इंसान या दुर्बल समूहों पर शोध करते समय आते है; परन्तु कुछ प्रश्न ऐसे होते है जो विशेष रूप से लैंगिक उत्पीड़न के शिकार बच्चों से जुड़े होते है (साहित्यिक समीक्षा के लिए ' बच्चों पर लैंगिक उत्पीड़न पर शोध करने के उसूल ' - देखें) । यह दस्तावेज शोध में रत उन सभी लोगों (प्रधान शोध्कर्ताओं से लेकर आंकड़े इकठे करने वालों तक) में उठते कई नैतिक प्रश्नों के समाधान एवं सयाहक निर्देश प्रदान करता है।

इन सहायक निर्देशों को आसान और कारगर होने पर जोर दिया गया है।[1] शोधकार्य में अपनाये गए तरीकों की सततता, 'अनैतिक आचरण ' से लेकर 'अच्छे आचरण ' तक हो सकती है । यह दिशा निर्देश आपको अपने शोध में निरंतर सुधार लाते हुए उस, ' उत्तम आचरण ' का पालन करने में सहायक सिद्ध होंगे ।

अपने शोध परियोजना कि रूपरेखा बनाने के समय यह निर्देश आपको इस बात पर विचार करने में मदद करेंगे कि इसकी संरचना कैसी होनी चाहिए । इन निर्देशों का चरण-१ आपको यह निर्णय करने में मदद करेगा कि शोध में बच्चों को भागीदार बनाया जाएँ या नहीं । शोध कार्य में बच्चों कि भागीदारी के कारण उनके अधिकार और आपका यह सुनिश्चित करने का उत्तरदायित्व, कि ऐसी कोई परिस्थिति उत्पन्न न हो जिस के कारण बच्चों को कई हानि पहुंचे, इनमें एक संतुलन बनाने में यह निर्देश यह निर्देश आपकी मदद करेंगे । बच्चे कई प्रकार से आपके शोध का हिस्सा बन सकते है, उदहारण के लिए, आप के शोध में मात्र एक पात्र बनकर, या आपके साथ सह- शोधकरता भी बन सकते है। कई बार तो बच्चों के योन शोषण पर आपका शोधकार्य बिना बच्चों के किसी पात्रता के ही संभव होता है।

चरण-१:	**क्या बच्चों को आपके अनुसंधान में शामिल करना चाहिए ?**
चरण-२:	**नैतिक विषय**
चरण ३:	**लाभ हानि का विश्लेषण**
चरण ४:	**तृतीय पक्ष समीक्षा**

चरण-१ के पूरा कर लेने के बाद, यदि आपको अपने प्रस्तावित शोध में आगे बढ़ने के सुराग मिलते है, तब आपको अपने शोध कि संरचना, विश्लेषण और कार्यान्वयन, में चरण-२ के सातों नैतिक वषयों पर ध्यान देना होगा ।

अपने शोधकार्य के चरण-२ मे जिन सात नैतिक विषयों मे कार्य किया गया है, उनके संभावित लाभ हानि का विश्लेषण ही चरण-३ है ।इनकी पूर्ति के बाद आपको अपने शोध कार्य में नैतिक विषयों को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ने का मार्ग सहज हो जायेगा ।

चरण-४, सम्यक तत्परता है जो की तृतीया पक्ष समीक्षा एवं सहमति के लिए सुनुश्चित करता है ।

अपने शोध परियोजना को उचित विशेषज्ञों के साथ साझा करने से आप यह सुनिश्चित कर लेते है की वे, आपके संभावित लाभ हानि विश्लेषण से सहमत है और, आपकी नीति में लाभ बढ़ाने और हानि कम करते हुए आगे बढ़ने में मदद मिलेगी ।

यह सहायक निर्देश केवल एक जांच सूची नहीं है कि आप इसे एक बार पूरा करके उसे भूल जाएँ, आपको हमेशा इसका पालन करना चाहिए और अपने शोध कार्य के प्रत्येक चरण का विश्लेषण करते रहना चाहिए, ताकि आप सही नैतिक निर्णय ले सके और सही दिशा में आगे बढ़ सके।

[1] ये दिशानिर्देश शैक्षिक अनुसंधान में नैतिक समितियों के किसी भी राष्ट्रीय नियमों को प्रतिस्थापित नहीं करते हैं। वे यौन शोषण के संदर्भ में अनुसंधान के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। वे निश्चित रूप से 'उत्तर' प्रश्नों के लिए अभिप्रेत नहीं हैं, लेकिन आपको अपने स्वयं के अनूठे शोध में खुद के उत्तर खोजने में मदद करते हैं।

मार्गदर्शक सिद्धांत

बच्चे के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन (UNCRC) के चार प्रमुख सिद्धांत हैं जो यह मार्गदर्शन करते हैं कि हम बच्चों के अधिकारों का सम्मान कैसे किया जाना चाहिए । इनका उपयोग यह मार्गदर्शन करने के लिए किया जा सकता है कि हम किस तरह से अनुसंधान को डिजाइन और कार्यान्वित करते हैं जिसमें बच्चों का यौन शोषण शामिल हो ।

गैर - भेदभाव

बच्चों के प्रति भेदभाव नहीं बरतना चाहिए (UNCRC , अनुछेद -२) "हर बच्चे को यह अधिकार प्राप्त है की वह स्वतंत्र रूप से अपने विचारों को प्रकट कर सकें, और उनके वोचारों को किसी जाती, रंग, लिंग,भाषा,धर्म,राजनैतिक व कोई अन्य विचार, राष्ट्र, संजातीय एवं सामजिक मूल, संपत्ति, शारीरिक दुर्बलता, जन्म तथा कोई अन्य परिस्थिति के आधार पर, बिना भेद भाव के उचित संज्ञान में लेना चाहिए ।"[2]

बच्चे के सर्वोत्तम हित

बच्चे के जीवन पर जो सबसे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है वह प्राथमिक विचार होना चाहिए (UNCRC, अनुछेद -३)

जीवन, अस्तित्व एवं विकास

राष्ट्र सरकारों को बच्चों के अस्तित्व और स्वस्थ विकास के लिए अधिकतम संभव सीमा तक सुनिश्चित करना चाहिए (UNCRC , अनुछेद - ६)

भाग लेना

प्रत्येक बच्चा जो अपने विचारों को बनाने में सक्षम है, उन् सभी मामलों में उन विचारों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने का अधिकार है जो उन्हें प्रभावित करते हैं और बच्चे के विचारों को बच्चे की उम्र और परिपक्वता के अनुसार उचित वजन दिया जाना चाहिए।(UNCRC , अनुछेद -१२)

इसके अलावा, दो और सिद्धांत हैं जो लोगों को शामिल करने वाले सभी शोधों का मार्गदर्शन करते हैं और इसलिए वह बच्चों पर भी लागू होते हैं:

न्यूनतम हानि

गैर-दुर्भावना के सिद्धांत (दूसरे शब्दों में 'नुकसान न करें') के लिए आवश्यक है कि शोधकर्ता भूल या चूक के कृत्यों के माध्यम से बच्चों को नुकसान या चोट पहुंचाने से बचें। यदि सूचक/ नुकसान की संभावना है, तो इसे आगे नहीं बढ़ाना चाहिए। यह स्वीकार किया जाता है कि इस तरह के क्षेत्रों में अनुसंधान के साथ, शून्य हानि की गारंटी देना संभव नहीं होगा। हालांकि, संभावित नुकसान को पूर्व निर्धारित किया जाना चाहिए और ऐसी रणनीति को लागू किया जाना चाहिए ताकि हानि के मुकाबले लाभ अधिक हो । यह सिद्धांत एक शोधकर्ता के दायित्व को भी सम्बोधित करता है जो बच्चों की स्थिति, अधिकारों और भलाई को बेहतर बनाने के लिए अपने शोध में प्रयास करता है।[3]

आदर

इस सिद्धांत को मान्यता की आवश्यकता है, कि बच्चों के निर्णय व्यापक व्यक्तिगत, संबंधपरक, सामाजिक, सांस्कृतिक, कानूनी और पर्यावरणीय संदर्भों में मौजूद है ।यह प्रतिभागियों की गरिमा का सम्मान करने को संदर्भित करता है और उनकी, अनुसंधान के लिए सहमति है या नहीं यह निर्णय लेने के लिए उनकी क्षमता को पूरी तरह से सूचित करता है। बच्चों के संबंध में, यह समझ की आवश्यकता है कि भाग लेने या अन्यथा, उनकी शक्ति और उनकी संज्ञानात्मक क्षमता और विकास पर आधारित है।

2 Committee of the Rights of the Child, (2009). *General comment* 12*: The right of the child to be heard*. Parag 70.

3 Graham, A., Powell, M., Taylor, N., Anderson, D. & Fitzgerald, R. (2013). *Ethical Research Involving Children*. Florence: UNICEF Office of Research – Innocenti; UNICEF (2015) *Procedure for Ethical Standards in Research, Evaluation and Data Collection and Analysis*. Florence: UNICEF Innocenti Office of Research; Council for International Organizations of Medical Sciences (CIOMS) & World Health Organization (WHO). (2016). *International Ethical Guidelines for Biomedical Research Involving Humans*, Geneva: CIOMS.; United States. (1979). *The Belmont Report: Ethical Principles and Guidelines for the Protection of Human Subjects of Research*. Bethesda: The Commission, Academy of Social Sciences.

चरण-१ : क्या बच्चों को आपके अनुसंधान में शामिल करना चाहिए ?

पहला कदम यह आकलन करना है कि क्या बच्चों को आपकी शोध परियोजना में सीधे भाग लेना चाहिए? आवश्यकता इस बात कि है की बच्चों के सुनवाई के अधिकार, बच्चों के योन शोषण के क्षेत्र में योगदान करने के महत्वपूर्ण मूल्य और किसी हानि की संभावना, में संतुलन होना चाहिए ।

इन प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

		हाँ ✓	न ×
A	साहित्य और संदर्भ की खोज करने के बाद, आप सुनिश्चित हैं कि मौजूद कोई भी डेटा शोध प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकता है		
B	आकलन के बाद, आप सुनिश्चित हैं कि बच्चों को पूछने / शामिल करने (सेकंड हैंड अकाउंट्स, केस फाइल नोट्स या 18 साल या उससे अधिक उम्र के अनुभवी युवाओं का साक्षात्कार) के अलावा डेटा एकत्र करने का कोई और तरीका नहीं है		
C	सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के बाद, आप आश्वस्त हैं कि बच्चों पर जिम्मेदारी, या काम का बोझ नहीं पड़ेगा (जैसे स्कूल छूटना, बहुत ज्यादा काम करना)		
D	विशेषज्ञों के साथ सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और परामर्श के बाद, आप आश्वस्त हैं कि यदि बच्चे भाग लेते है तो उनको कोई शारीरिक हानि पहुंचने का खतरा नहीं है		
E	विषयगत विशेषज्ञों, बचे लोगों के साथ परामर्श के बाद, आप आश्वस्त हैं कि बच्चे अनुचित मनोवैज्ञानिक नुकसान या संकट का अनुभव नहीं करेंगे।		
F	प्रतिभागियों को सहायता प्रदान करने के लिए परियोजना के हिस्से के रूप में उपयुक्त आघात-सूचित और बाल केंद्रित सहायता सेवाएँ उपलब्ध हैं		

! यदि आपने इनमें से किसी भी प्रश्न का उत्तर ' न ' में दिया है, तो बच्चों को अनुसंधान की इस प्रारूप में शामिल नहीं होना चाहिए। पुनर्मूल्यांकन करने के बाद, निर्धारित मुद्दों के अनुसार प्रारूप में बदलाव लाना चाहिए।

यदि आपने इन सभी प्रश्नों के लिए 'हाँ 'का उत्तर दिया है, तो चरण -2 की ओर बढ़ें

चरण-२: नैतिक विषय

अगले पृष्ठों में सात नैतिकता से सम्बंधित विषय शामिल हैं, जिनमें एक संक्षिप्त विवरण शामिल है, जिसके बाद 'नैतिक कार्यों' की एक श्रृंखला है जिसे आपको पूरा करना है ।

सातों विषयों को पढ़ें और कार्यों को पूरा करें। जहाँ आवश्यक हो, कार्यों के लिए आवश्यकतानुसार अपने शोध डिज़ाइन को परिष्कृत करें।

1. बच्चों कि सार्थक भागीदारी

यौन शोषण पर अनुसंधान में बच्चों की भागीदारी उनके स्वयं के और दूसरों के संरक्षण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, बच्चे इसे अपने सर्वोत्तम हित में मान सकते हैं कि उनकी विशेषताओं और अनुभवों के बारे में सवाल पूछे जा सकें और संवेदनशील विषयों पर, जिन्हे उन संस्कृतियों और संदर्भों के भीतर वर्जित या कलंक के रूप में देखा जाता है जिनमें वे रहते हैं, वहां किसी इच्छुक वयस्क के साथ उन्हें शामिल किया जा सके।

इन संदर्भों में बच्चों को शामिल करने वाले शोध मे यह महसूस किया जा सकता हैं, कि भागीदारी का अधिकार देने से बच्चों की आवाज़ को बढ़ाने और मौन रहने की संस्कृति, जिसमें दुरुपयोग होता है, को चुनौती देने का एक तरीका प्रदान करेगा - अगर यह सावधानी से किया जाए तो यह सुनिश्चित होगा कि बच्चों को नुकसान का अनुभव न हो।

नैतिक कार्य

1.1 सुनिश्चित करें कि बच्चे को अनुसंधान में भाग लेने के बारे में एक सूचित निर्णय लेने के लिए, अनुसंधान की सामग्री, बच्चे की भूमिका और अपेक्षाओं और बच्चे के लिए अनुसंधान के संभावित परिणामों के बारे में पर्याप्त और आयु के अनुसार, उचित जानकारी प्राप्त हो। यह सुनिश्चित करें कि जानकारी को विशिष्ट बच्चे की जरूरत (जैसे कि अनपढ़ बच्चे, बहरे बच्चे, चार साल बनाम छह साल का बच्चा, आदि) के अनुसार समायोजित किया जाए।

1.2 बच्चे के सांस्कृतिक संदर्भ को , मानदंडों और अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए माना गया है, जो डिजाइन को प्रभावित कर सकता है या यह कि परियोजना स्वयं संघर्ष में हो सकती है (जैसे कि अनुसंधान विचार जो वर्जित हैं,या परंपराओं के साथ संघर्ष में हैं)। यदि यह जोखिम स्वीकार किया जाता है, तो इसे प्रतिभागी को समझाया जाना चाहिए।

1.3 यह सुनिश्चित करें कि बच्चे के माता-पिता या देखभाल करने वाले को शोध की सामग्री के बारे में पर्याप्त जानकारी प्राप्त हो, किस तरह से शोध के निष्कर्षों का उपयोग किया जाएगा, बच्चे की भूमिका, उनकी अपेक्षाएं और बच्चे के लिए शोध के संभावित परिणामों, को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान में भाग लेने के बारे में निर्णय लिया गया है ।

1.4 बच्चों के भाग लेने के तरीके पर विचार करें। उदाहरण के लिए, केवल प्रश्नों के उत्तरदाताओं के रूप में, या क्या यह सुरक्षित और उचित है कि वे डिजाइन करने के लिए अधिक गहराई से लगे हुए हैं, या यहां तक कि अनुसंधान का संचालन करने के लिए भी? (उदाहरण के लिए, दुर्व्यवहार के बचपन के अनुभव वाले युवा, और मजबूत समर्थन नेटवर्क, अच्छे डेटा संग्राहक हो सकते हैं)।

बच्चों को शामिल करने के विभिन्न तरीके हैं, वे केवल शोधकर्ताओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तरदाता हो सकते हैं, या वे सह-शोधकर्ता हो सकते हैं जो अनुसंधान की डिजाइन को प्रभावित करते हैं और डेटा एकत्र करने और / या विश्लेषण में भाग ले सकते हैं। बच्चे के अधिकारों पर समिति - बच्चों की सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पांच व्यावहारिक तत्वों की सिफारिश करती है: बच्चे को पर्याप्त जानकारी प्रदान करें, भाग लेने का अवसर दें; बच्चे को गंभीरता से लें, बच्चे को परिणामों के बारे में सूचित करें; प्रतिक्रिया देने और शिकायत करने की संभावना प्रदान करें जब बच्चे को लगता हो कि उनकी राय का अच्छी तरह से प्रतिनिधित्व नहीं किया गया । [4].

इस विषय में नैतिक कार्यों में 'सर्वोत्तम हितों', 'भागीदारी' और 'नुकसान कम से कम' के मार्गदर्शक सिद्धांतों के बीच संतुलन कायम करना शामिल है। भाग लेने के अधिकार द्वारा संतुलित किए जाने पर कुछ हानि स्वीकार की जा सकती है। हालाँकि, शोधकर्ताओं को उन सभी जकारियों से ,बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों को अवगत कराना चाहिए, ताके वे स्वयं निर्णय ले सकें ।

1.5 **भागीदारी के लिए इन रिस्थितियों को सुनिश्चित करें (यानी पर्यावरण, स्थान, भाग लेने के लिए निमंत्रण, समय और घंटे) , जो बच्चों के लिए उचित और सुलभ हो**

1.6 **यह सुनिश्चित करें कि बच्चे को गंभीरता से लिया गया है। इसमें बच्चों से इस बारे में प्रतिक्रिया मांगना शामिल है कि वे किस तरह से और किन शर्तों पर, डिजाइन के दौरान भाग लेना चाहते हैं। यदि संभव हो / आवश्यक हो, शोध डिजाइन के बारे में बच्चों से प्रतिक्रिया लें या बच्चों के साथ बनाएं।**

1.7 **सुनिश्चित करें कि बच्चे को अनुसंधान के परिणामों के बारे में सूचित किया गया है।**

1.8 **यौन शोषण के संदर्भ में बच्चों की पर्याप्त शारीरिक और मनोवैज्ञानिक सुरक्षा सुनिश्चित करें (अगले अनुभाग देखें)।**

4 Committee of the Rights of the Child, (2009). *General comment 12: The right of the child to be heard*. Parag 21 and Lansdown G.I., (2005). *The evolving capacities of the child*. Innocenti Research Centre, UNICEF/Save the Children, Florence.

2. कार्यप्रणाली पर विचार

यह खंड उन नैतिक कार्यों ,पर ध्यान केंद्रित करता है जिन पर आपको यौन शोषण के संदर्भ में , विशिष्ट अनुसंधान की प्रक्रिया में , बच्चों के साथ बातचीत करने के लिए उपयोग की जाने वाली विधियों को डिजाइन करने और उन पर विचार करने की आवश्यकता है।

नैतिक कार्य

2.1 भाषा जो आप डेटा संग्रह के लिए उपयोग करते हैं, वह समावेशी एवं गैर-निर्णयात्मक है और आपके लक्षित आबादी के इन मुद्दों (उम्र, लिंग, संस्कृति) का वर्णन इस तरह करती है जो उनके तौर तरीके के अनुसार है ।

2.2 जिस भाषा का आप उपयोग करते है, वह ऐसी होनी चाहिए की बच्चों को यह महसूस न हो, की उन्होंने कुछ बुरा बर्ताव किया या फिर यह, की उनको समाज से अलग किया जायेगा ।

2.3 शोधकर्ता टीम को इन विषयों में दक्षता होनी चाहिए (जैसे बाल विकास, यौन शोषण और आघात-सूचित अभ्यास के प्रति संवेदनशीलता , बच्चों के साथ संवाद करना, संदर्भ के कानूनी प्रावधान)

2.4 आपने प्रतिभागियों और डेटा संग्रहकर्ताओं के लिंग पर विचार किया है

2.5 आपने, प्रतिभागियों पर ताकत के रिश्तों के प्रभाव को कम करने (जो सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि, जातीयता के कारण उत्पन्न हो सकते है), एवं सुरक्षित तरीकों से डेटा संग्रह के लिए, उचित वातावरण (बाल अनुकूल, बाल-नियंत्रित पृष्टभूमि) पाया है।

2.6 आप, आघात और प्रकटीकरण के मामले में प्रतिभागियों का समर्थन करने के लिए ,आघात और शोषण में प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक या प्रासंगिक व्यक्ति से सहायता लेंगे (यदि आवश्यक हो, यह व्यक्ति ,अनुसंधान टीम के बाहर से भी हो सकता है) ।

2.7 आप डाटा संग्रहकर्ताओं को इन बातों प्रशिक्षित करेंगे जिससे की वे , बच्चों कि भाव भंगिमा, उनके अनकहे संकेत एवं आपके कार्य प्रणाली कि कारण उत्पन्न हो सकने वाले उन संभावित हानियों को पढ़ सकें / पहचान सकें ।

2.8 संभावित पूर्वाग्रहों या अनुचित भाषा और तकनीकों, और बच्चे जो के उत्तरजीवी हो सकते है , उनकी पहचान करने में, आपने प्रशिक्षण और भूमिका-नाटकों के माध्यम से ,डेटा संग्रहकर्ताओं का आकलन किया है ।

2.9 आपने डेटा संग्रहकर्ताओं की पहचान करने में बाल सुरक्षा और संरक्षण नीतियों का पालन किया है

अनुसंधान के तरीकों को बड़े ही सावधानी से निर्धारित करने चाहिए , क्योंकी कई बार यही तरीके, अगर गलत हो जाये तो हानि के कारण बनते है, जैसे शब्द प्रयोग - जो निरयणात्मक या आक्रामक प्रतीत हो , लिंग भेद, या डेटा संग्रहकर्ताओं और प्रतिभागि के बीच आयु में अधिक अंतर, जिससे बच्चे खुल कर अपनी बात नहीं कर पाते, या बच्चों के समूहों के प्रति धारणा और पूर्वाग्रह होना , वयस्कों और बच्चों के बीच असंतुलित शक्ति संबंधों का दुरुपयोग। इनका निवारण कर इन कारणों से बचना चाहिए । यह उम्मीद करना चाहिए कि अनुसंधान टीम उठाए गए मुद्दों को "ठीक" करेगी।

2.10 **डेटा (व्यक्तिगत या समूह) इकट्ठा करने के लिए विधि बच्चों को सरल माहौल में रखती है और जानकारी साझा करने के लिए पूर्वाग्रह या दबाव का परिचय नहीं देगी।**

2.11 **भाग लेने वाले बच्चे / बच्चों के साथ अनुसंधान के लिए एक उपयुक्त स्थान पर सहमति है**

2.12 **कमरे में कौन मौजूद होगा, यह तय करें। एकांत में मुलाकात करते समय , स्थान का चुनाव सुरक्षा संबंधी आवश्यक नियमों के अनुसार होना चाहिए (दूसरों को दिखते रहो , अकेले में बच्चों के साथ वयस्कों को शामिल न करें) एक बच्चे के साथ एक वयस्क अकेले में रहने से बचें और यह सुनिश्चित करें कि कमरा बंद और दृष्टि से बाहर नहीं है।**

2.13 **बाल प्रतिभागियों के लिए संभावित यात्रा प्रतिपूर्ति के लिए बजट में व्यस्था करें ।**

2.14 **डेटा एकत्र करने की विधि व्यक्तिगत भागीदार के प्राथमिकताओं के अनुरूप पर्याप्त लचीली है और प्रतिभागियों की उम्र और योग्यता के लिए उपयुक्त है।**

2.15 **अधिकारियों को बाल शोषण की रिपोर्ट करने के दायित्वों के बारे में प्रासंगिक कानूनों और विनियमों, यदि कोई हो, को ध्यान में रखें। यदि अनिवार्य रिपोर्टिंग आपके शोध पर लागू होती है, तो आपको प्रतिभागियों को उनकी सहमति लेने से पहले इस बारे में अवगत कराना होगा और यह बताना होगा कि रिपोर्ट कैसे बनाई जाएगी और बच्चा कैसे इन प्रक्रियाओं का हिस्सा बन सकता है या नहीं बन सकता है। विचार करें कि क्या रिपोर्टिंग से बच्चे के लिए सुरक्षा निहितार्थ ,भी हैं।**

2.16 **सूचित सहमति प्रक्रिया स्पष्ट रूप से अनुसंधान टीम की भागीदारी की सीमाओं को स्पष्ट करती है और स्पष्ट रूप से बताती है कि गोपनीयता कब रखी जाएगी और इसे कब नहीं रखा जाएगा (उदाहरण के लिए अनिवार्य रिपोर्टिंग आपके शोध को प्रभावित कर सकती है)।**

2.17 **अंतिम शोध रिपोर्ट में एक पद्धति खंड शामिल होगा जो अध्ययन के डिजाइन, उपयोग किए गए उपकरण, अध्ययन की सीमाओं और नैतिक विचारों को पूरी तरह से समझाता है।**

2.18 **प्रतिभागियों को अनुसंधान निष्कर्षों के बारे में प्रतिक्रिया देने के लिए एक प्रक्रिया की पहचान करें (उदाहरण के लिए रिपोर्ट का एक बाल-अनुकूल संस्करण प्रतिभागियों को उपलब्ध होगा ।**

3. सूचित सहमति...

'सहमति 'का अर्थ है अपनी परियोजना में भाग लेने के लिए औपचारिक अनुमति प्राप्त करना। कुछ देशों में सहमति 18 वर्ष से कम उम्र के किसी के साथ अनुसंधान के लिए कानून द्वारा आवश्यक है। बच्चों को शामिल करने वाले अनुसंधान में आमतौर पर माता-पिता या देखभाल करने वाले से सहमति की आवश्यकता होती है क्योंकि बच्चों को अपनी अनुमति प्रदान करने के लिए कानून में कानून के अनुसार, परिपक्व नहीं माना जाता है। बहुत कमजोर बच्चों (जैसे यौन शोषण का शिकार) के साथ अक्सर माता-पिता के अलावा कोई अन्य वयस्क, बच्चों की देखभाल कर सकते हैं। एक वयस्क जिसके पास बच्चे के लिए कानूनी जिम्मेदारी हो, उनसे से सहमति प्राप्त करना हमेशा नैतिक होता है (हालांकि कुछ अत्यंत विशिष्ट परिस्थितियों में [5], और उन मामलों में जब अभिभावक ही अपराधी हो, यह अपवाद हो सकता है)

कुछ मामलों में, जहां एक बच्चा स्वतंत्र रूप से रह रहा हो (जैसे, श्रमिक हो , घर से चला गया है, सड़कों पर रह रहा है) और उसे पर्याप्त रूप से परिपक्व माना जाता हो , तो माता-पिता / अभिभावक की सहमति की आवश्यकता नहीं हो सकती है। लेकिन निर्णय लेने के लिए बहुत सावधानीपूर्वक विचार की आवश्यकता होती है और इसमें विशेषज्ञों से परामर्श करना चाहिए।

नैतिक कार्य

3.1 **आपने, अपने देश में, माता-पिता / देखभाल करने वाले / बच्चों से सहमति प्राप्त करने के लिए, उपयुक्त कानूनी आवश्यकताओं की जाँच कर ली है।**

3.2 **आपने, माता-पिता / देखभाल करने वाले से, बिना किसी जबरदस्ती या दबाव के , यह सहमति प्राप्त करने के लिए एक मजबूत कानूनी प्रक्रिया को शामिल किया है (यह विचार करते हुए कि वे पढ़े-लिखे नहीं हैं) ।**

3.3 **अपने डिजाइन में आपने विचार किया है, ऐसी परिस्थितियों में सहमति प्राप्त करने के बारे में क्या करें जब एक माता-पिता या देखभाल करने वाला संभावित अपराधी हो।**

3.4 **आपने, लिंग मानदंड, सांस्कृतिक अंतर और उम्र, जैसे प्रभावों की संभावना पर विचार किया है, जो बच्चे पर प्रभाव डाल सकता है कि वह सहमति देने के लिए कितना सहज महसूस करता है, और इन संभावनाओं को कम किया है।**

3.5 **आपने, बाल प्रतिभागियों से सूचित सहमति प्राप्त करने के लिए एक प्रक्रिया को शामिल किया है, जो उनकी उम्र के अनुसार उचित है, बच्चे के अनुकूल है और बिना किसी जबरदस्ती या दबाव के है।**

3.6 **आपके पास इस बात के स्पष्ट निर्देश है कि ऐसे परिस्थिति में, जब बच्चा भाग लेने का इच्छुक है और उसके माता-पिता मना करते है या इसके उल्टा होता है , तो क्या करना चाहिए ।**

3.7 **यह सुनिश्चित करें कि , प्रत्येक भागीदार के सहमति का रिकॉर्ड (लिखित या दर्ज) , रखा गया है , (इसे गोपनीयता की रक्षा के लिए डेटा से अलग रखें) ।**

3.8 **यह सुनिश्चित करें की, माता-पिता / देखभाल करने वालों को, (अनुसंधान के उद्देश्य, उसकी अवधि, गोपनीयता, किसी भी मुआवजे के विवरण, निष्कर्षों का उपयोग कैसे किया जाएगा और कैसे वापस लेना या कैसे शिकायत करना है) , इनके बारे में सहमति के समय, लिखित या मौखिक रूप में स्पष्ट जानकारी दी गई है।**

3.9 **यह सुनिश्चित करें की, बच्चों को उनके उम्र के हिसाब से (अनुसंधान के उद्देश्य, उसकी अवधि, गोपनीयता, किसी भी मुआवजे के विवरण, निष्कर्षों का उपयोग कैसे किया जाएगा और कैसे वापस लेना या कैसे शिकायत करना है) , इनके बारे में सहमति के समय, लिखित या मौखिक रूप में स्पष्ट जानकारी दी गई है।**

5 उदाहरण के लिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन यह इंगित करता है कि, जहां कोई कानूनी प्रावधान मौजूद न हो वहां पर , किशोर जो कुछ यौन स्वास्थ्य अध्ययनों के उद्देश्य को समझने के लिए पर्याप्त रूप से समर्थ है, उन्हें अपनी सहमति देने के लिए पर्याप्त परिपक्व माना जा सकता है। WHO (2019), Conducting research on reproduction health involving adolescents.

भले ही, बच्चों को शोध में शामिल करने के बारे में कोई कानूनी प्रावधान न हो । नैतिक रूप से यही उचित होगा कि, भागीदारी के सम्बन्ध में बच्चे कि सहमति ली जाये। 'सहमति' लेने का अर्थ, बच्चे से औपचारिक अनुमति लेना है कि वह शोध में भागीदार बनना चाहता है (केवल इसलिए की माता-पिता या देखभाल करने वाले ने सहमति दी है , इसे बच्चे की सहमति नहीं मन जा सकता)। बच्चों को भाग लेने का अधिकार है, लेकिन उनके पास यह चुनने का अधिकार भी है कि वे उन विचारों को व्यक्त करें या न व्यक्त करें [6]। इसका मतलब यह है कि बच्चे को किसी भी अनुचित प्रभाव या दबाव के अधीन नहीं किया जाना चाहिए।[7]

सहमति प्राप्त करने के लिए, आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि माता-पिता / देखभाल करने वाले और बच्चे को अनुसंधान के बारे में पूरी जानकारी हो। बच्चों को उन शब्दों में समझाना होगा जो वे अपनी उम्र और दुनियादारी की समझ के आधार पर समझ सकते हैं (उनकी परिपक्वता, भाषा कौशल, संभावित विकलांगता, आघात और पुनर्प्राप्ति प्रक्रिया के चरण को ध्यान में रखें)। यह समझाया जाना चाहिए कि सहमति नहीं देने या बाद में इसे वापस लेने से बच्चे या भविष्य के किसी भी प्रभाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सहमति मौखिक रूप से दी जा सकती है (एक वक्तव्य को जोर से पढ़ के और स्पष्ट चर्चा के माध्यम से) या लिखित (पहले से तैयार किए गए फॉर्म पर)।

3.10 **सुनिश्चित करें कि आप अपने लक्षित समूह को जो जानकारी देते हैं, उसे आजमाया और परखा गया है और आपके लक्षित समूह के लिए समझने योग्य और उपयुक्त है।**

3.11 **आपके द्वारा दी गई जानकारी अनुसंधान में भाग लेने के लाभों या सेवाओं को उपलब्ध कराने के उपयोग के बारे में , अवास्तविक उम्मीदों को नहीं बढ़ाती है।**

3.12 **अनुसंधान कर्मचारियों को सूचित सहमति की तलाश करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।**

3.13 **आपने, संबंधित हितधारकों (जैसे स्थानीय NGO जो बच्चो पर केंद्रित होते है , सम्बंधित संसथान जो बच्चों की सेवा में काम करते है और संभवतः स्वयं बच्चे हैं) के साथ परामर्श के माध्यम से अनुसंधान में भागीदारी से उत्पन्न होने वाले जोखिमों का आकलन किया है और उन्हें माता-पिता / देखभाल करने वालों, और बच्चों को समझाया है।**

3.14 **आपने प्रतिभागियों को समझाया है कि भागीदारी स्वैच्छिक है और परियोजना के दौरान प्रतिभागियों बिना किसी नकारात्मक प्रभाव के, अपने प्रतिक्रियाओं / डेटा को एक निर्धारित सीमा के अंदर वापस ले सकते है।**

3.15 **आपने प्रतिभागियों को अपने संपर्क विवरण उपलब्ध कराए हैं, ताकि वे, शोधकर्ताओं से अनुरोध किए जाने वाले प्रश्नों के बारे में या आगे की जानकारी के लिए अनुमति दे सकें या बाद में वापस ले सकें।**

3.16 **आपने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि प्रतिभागियों पर हाँ कहने का दबाव नहीं है।**

3.17 **आपने परियोजना के बारे में सूचित करने के लिए एक तरीका स्थापित किया और फिर वयस्कों और बच्चों को भाग लेने का निर्णय लेने से पहले सोचने या दूसरों के साथ परामर्श करने का समय दिया।**

3.18 **सूचित सहमति प्रक्रियाएं संभावित संकट का वर्णन करती हैं जो उत्पन्न हो सकती हैं और समर्थन तक कैसे पहुंचा जा सकता है**

6 Article 12 UN CRC and Committee of the Rights of the Child, (2009). *General comment 12: The right of the child to be heard.* Paragraph 22.

7 Committee of the Rights of the Child, (2009). *General comment 12: The right of the child to be heard.* Paragraph 22.

4. व्यक्तिगतता एवं गोपनीयता

शोध में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को व्यक्तिगतता के मानव अधिकार प्राप्त है । ऐसे शोध जिसमे बच्चों को शामिल किया गया हो, वहां निजता और गोपनीयता का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्योकि जानकारी साझा करने से कई नकारात्मक प्रभाव हो सकते है । जानकारी या आंकड़े एकत्रित करते समय, प्रतिभागी के ऐसे व्यक्तिगत विवरणों से दूर रहे, जो शोध के उद्देश्य के लिए जरूरी न हो (जैसे कि, प्रतिभागी के साथ हुए दुरव्यवहार का विस्तृत विवरण के बजाय, उनकी स्वस्थ्य लाभ पर ध्यान देना चाहिए)।

व्यक्तिगत जानकारी और गोपनीयता से जुड़े जोखिम हो सकते हैं, और पूरे शोध प्रक्रिया के दौरान इस पर विचार करने की आवश्यकता है। इसमें, लोगों की भर्ती, डेटा का प्रारंभिक संग्रह, सूचना का विश्लेषण, निष्कर्षों का आदान-प्रदान और

नैतिक कार्य

4.1 अनुसंधान को बच्चों की गोपनीय भागीदारी के लिए डिज़ाइन किया गया है, जब तक कि इस नियम से हटने के मजबूत कारण नहीं हैं।

4.2 डेटा संग्रह के लिए विधि बच्चों की गोपनीयता की रक्षा करती है, विशेष रूप से जब वे व्यक्तिगत जानकारी का खुलासा कर सकते हैं (उदाहरण के लिए, समूह सेटिंग उचित नहीं हो और यदि इसका गलत उपयोग किया जाता है, तो गोपनीयता की रक्षा के लिए कदम उठाए जाने चाहिए)। बच्चों को तरीकों के बारे में सलाह दी जाती है।

4.3 अनुसंधान के लिए स्थान तय करते समय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों की बातों को कोई छिपकर न सुन पाए या उनकी लिखित प्रतिक्रिया को दूसरे न देख सकें ।

4.4 बच्चों के साथ अकेले में मुलाकात के समय, चुना हुआ स्थान सुरक्षित सिद्धांतों (दूसरों को दिखते रहना , अकेले में बच्चों के साथ वयस्कों को शामिल न करना) और आपकी नीति के आवश्यकताओं को पूरा करता है।

4.5 छोटे बच्चों के लिए, डेटा संग्रह के दौरान एक विश्वसनीय वयस्क के लिए उपस्थित होने का विकल्प प्रदान किया गया है।

4.6 सुनिश्चित करें कि अनुसंधान के लिए चुने गए स्थान बच्चों को किसी अप्रत्याशित यौन शोषण से जुड़े होने के खतरे में नहीं डालते हैं।

4.7 सुनिश्चित करें कि 'सूचित सहमति' के बारे में दी गई जानकारी स्पष्टता और गोपनीयता की सीमाओं को स्पष्ट करती है।

4.8 प्रशिक्षण के दौरान डेटा कलेक्टरों को गोपनीयता (और इसकी सीमा, जैसे अनिवार्य रिपोर्टिंग) से संबंधित सभी कानूनी आवश्यकताओं को समझाया गया है।

प्रसार, डेटा का भंडारण, डेटा का संचरण और रिकॉर्ड या उन उपकरणों का विनाश करना भी शामिल होगा, जिस पर जानकारी संग्रहीत है।

शोध का उद्देश्य हमेशा गोपनीयता बनाए रखने का होना चाहिए। लेकिन ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं, जब कोई बच्चा खतरे में हो , तो यह एक नैतिक दुविधा पैदा करता है, क्योंकि यहाँ सुरक्षा के लिए गोपनीयता भंग करनी पड़ेगी । यह पारदर्शी रूप से बाल प्रतिभागियों को समझाया जाना चाहिए। बच्चों से संबंधित अपराधों और गैरकानूनी गतिविधियों की 'अनिवार्य रिपोर्टिंग' के, राष्ट्रीय कानून मौजूद हो सहते हैं, जिन पर विचार करने की आवश्यकता है ।

4.9 **बच्चे की पहचान करने वाली किसी भी जानकारी को डेटा से अलग रखा जाता है (अलग-अलग और सुरक्षित रूप से संग्रहित सूची के साथ नाम और डेटा को जोड़ने वाले आईडी नंबर का उपयोग करके)।**

4.10 **डेटा इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रतिबंधित फ़ोल्डरों में संग्रहीत किया जाएगा, जिसमें पासवर्ड केवल शोधकर्ताओं तक ही सीमित है।**

4.11 **डेटा की हार्ड कॉपी को सुरक्षित रूप से ताले में रखा जाएगा।**

4.12 **ई-मेल या क्लाउड स्टोरेज जैसे असुरक्षित माध्यम से डेटा साझा नहीं किया जाएगा**

4.13 **डाटा को एक पूर्व-निर्धारित अवधि तक रखा जायेगा (जैसे, प्रकाशन के 1 से 5 वर्ष तक), और उसके बाद नियमित रूप से नष्ट कर दिया जाएगा।**

4.14 **अनुसंधान के लेखन में हर प्रतिभागी को संदर्भित करने के लिए , नकली नाम या प्रतिभागी कोड का उपयोग किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पहचानने योग्य नहीं है।**

4.15 **अंतिम शोध दस्तावेज़ प्रतिभागियों की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पहचान नहीं करते हैं, (जैसे कि प्रतिभागियों को उनके स्थान या जातीयता जैसी पहचान योग्य विशेषताओं के साथ वर्णित नहीं किया जाता है) अंतिम मसौदे की समीक्षा की जानी चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए संपादित किया जाना चाहिए कि प्रतिभागी पहचान योग्य नहीं हैं।**

5. उत्पीड़न का शक और खुलासा

बच्चों के साथ होने वाले यौन शोषण पर अनुसंधान का आयोजन करते समय एक प्रमुख जोखिम यह हो सकता है कि, बच्चे यह खुलासा कर सकते हैं कि उन्हें अतीत या वर्तमान में नुकसान पहुंचाया गया था या उनकी प्रतिक्रियाएं बता सकती हैं कि उन्हें नुकसान हुआ है। आपने विचार किया होगा कि आप इस स्थिति में क्या करेंगे।

'बच्चे के सर्वोत्तम हित' के सिद्धांत का पालन करते समय (मार्गदर्शक सिद्धांतों को देखें), अधिकारियों को रिपोर्ट करने पर विचार किया जाना चाहिए। इस बात पर विचार करें कि सर्वश्रेष्ठ 'बच्चे के हितों' का सिद्धांत का पालन करते समय ऐसी परिस्थिति उत्पन्न हो सकती है, जब रिपोर्टिंग की आवश्यकता विशुद्ध रूप से केवल एक नौकरशाही प्रक्रिया मात्र बन कर रह जाती हो, जिसमें "मानवीय मूल्य" और पीड़ित के सामाजिक परिणाम गलत होते हो । तब आपको उस बच्चे को होने वाले संभावित हानि पर विचार करना चाहिए जो , सीमित या खराब समर्थन प्रतिक्रिया , या अधिकारियों के दुर्व्यवहार के कारण मामला उलझ जाये और अच्छे के बदले ख़राब परिणाम और ज्यादा नुकसान पहुँच सकता है।

कुछ परिस्थितियों में रिपोर्टिंग, कानूनी रूप से आवश्यक बन जाती है (अनिवार्य रिपोर्टिंग) । इन परिस्थितियों में आपके

नैतिक कार्य

5.1 सेवाओं का समर्थन करने के लिए बच्चों को संदर्भित करने के लिए एक स्पष्ट प्रणाली स्थापित की गई है जो प्रतिक्रिया देने की क्षमता रखती है।

5.2 डेटा संग्रह स्टाफ को, जोखिमों और दुर्व्यवहार के संकेतकों को पहचानने के लिए प्रशिक्षित किया गया है, और उनके पास आघात-सूचित, बाल-केंद्रित दृष्टिकोणों का उपयोग करके, खुलासा किये गए विषयों का उचित जवाब देने का कौशल है, और जानते है कि समर्थन सेवाओं को तुरंत कैसे संदर्भित किया जाए।

5.3 सभी प्रतिभागियों को सुनने और उन्हें किसी भी मुद्दे को उठाने की अनुमति देने के लिए एक स्थापित प्रक्रिया है।

5.4 सभी डेटा संग्रहकर्ताओं को सुनने के लिए एक स्थापित प्रक्रिया है।

5.5 सूचित सहमति के बारे में जानकारी, बच्चों और माता-पिता / देखभाल करने वालों को स्पष्ट रूप से बताती है कि प्रकटीकरण होने पर क्या प्रक्रिया होगी।

5.6 सूचित सहमति की जानकारी में, कानूनी रूप से आवश्यक औपचारिक रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं के बारे में विवरण शामिल हैं जिनका प्रकटीकरण की स्थिति में पालन किया जाएगा।

5.7 जब राष्ट्रीय संदर्भों में अनिवार्य रिपोर्टिंग के लिए कानूनी आवश्यकताएं होती हैं, तो सभी शोध कर्मचारी उन आवश्यकताओं के बारे में जानते हैं।

शोध डिजाइन को इस पर विचार करना चाहिए। उदहारण के लिए यदि रिपोर्ट करना आवश्यक हो, लेकिन ऐसा करने से बच्चे पर और अधिक हिंसा होने की संभावना पैदा होती हो, तो समझ लें कि आपके शोध के परिणाम अच्छे के बजाय बुरे ही होंगे । यदि ऐसी परिस्थिति उत्पन्न होती हो जहां बच्चे को खतरे से उभारना संभव न हो, तो आप अपने तरीकों में बदलाव लाएं । उदहारण के लिए , आप उनके साथ हुए अनुभवों के बारे में सीधे सवाल करने के बजाय उनसे indirect सवाल , जैसे सामाजिक सोच या व्यवहार के बारे में पूछें , और साथ ही बच्चों या उनके माता/पिता या अभिभावक को बतला दीजिये कि, घटना के बारे में सीधा खुलासा करने से नुक्सान होने कि संभावना है । इसके बाद यदि वे, सीधे और खुले रूप से घटना का खुलासा करना चाहे, तो यह फैसला उन पर छोड़ दीजिये ।

यह महत्वपूर्ण है कि अप्रत्यक्ष दृष्टिकोण में भी, आपकी शोध परियोजना को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रतिभागियों को उचित सेवाओं द्वारा समर्थन उपलब्ध हो, भले ही वे सीधे खुलासा न करें। बच्चों के यौन शोषण पर सभी अनुसंधान परियोजनाओं को अनौपचारिक प्रतिक्रियाओं और प्रत्यक्ष रिपोर्टिंग दोनों के लिए स्पष्ट प्रक्रियाओं की आवश्यकता होती है।

5.8

एक 'रेड फ्लैग' अलर्ट सिस्टम लगाया गया है जो उन बाल प्रतिभागियों की पहचान करता है जो नुकसान के जोखिम में हो सकते हैं।

5.9

डेटा कलेक्टरों सहित अनुसंधान दल, बाल विकास के बारे में जानते हैं और आघात के सूचित तरीकों से और तनाव की प्रतिक्रियाओं की पहचान कर सकते हैं, जिसमें गैर-मौखिक व्यवहार भी शामिल हैं, जिससे यह पता लगाया जा सके कि आघात को रोकने के लिए अनुसंधान गतिविधियों को कब रोकना है।

5.10

यदि लिया गया निर्णय, प्रतिभागियों की अनुमति के बिना, शोषण या शोषण के खुलासे की रिपोर्ट करने के पक्ष में नहीं है। तो अनिवार्य रिपोर्टिंग के कानूनी आवश्यकताओं से छूट की आधिकारिक अनुमति प्राप्त की गई है।

5.11

प्रतिभागियों को रेफ़रल विवरण प्रदान किया जाता है भले ही प्रकटीकरण सीधे नहीं किया गया हो (ताकि बच्चे विशेष रूप से जानकारी का अनुरोध करने के लिए मजबूर न हों)। यह जानकारी अन्य सूचनाओं के बीच प्रदान की जानी चाहिए ताकि इस जानकारी के साथ मिलने पर बच्चा खतरे में न हो।

5.12

यदि अनुसंधान के डिजाइन में अनाम भागीदारी की अनुमति है, तो ऐसे खुलासे से निपटने के लिए प्रक्रियाएं हैं, जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

6. भुगतान एवं भरपाई

बच्चों के साथ अनुसंधान करते समय, पारिश्रमिक के बारे में सावधानीपूर्वक विचार आवश्यक है, चाहे वह नकदी या गैर-नकदी के आकार में होना चाहिए। अनुसंधान प्रतिभागियों को परिवहन जैसे किसी भी खर्च के लिए उचित प्रतिपूर्ति की जानी चाहिए।प्रतिभागियों के आराम के लिए भोजन और पेय भी उपलब्ध कराया जा सकता है।प्रतिभागियों को उनके समय के लिए भुगतान आमतौर पर प्रोत्साहित नहीं किया जाता है क्योंकि इसे अनुसंधान डेटा के लिए भुगतान के रूप में माना जा सकता है और इसलिए यह हितों का टकराव है। कुछ मामलों में, छोटे सस्ते उपहार (जैसे प्रसाधन) को प्रशंसा के रूप में दिया जाता है।

नैतिक कार्य

6.1 **विचार करें कि क्या प्रतिभागियों को मुआवजे की पेशकश करना उचित है।**

6.2 **जब तक कोई अच्छा कारण न हो*, 'प्रोत्साहन भुगतान' के उपयोग से बचें।**

6.3 **इच्छित मुआवजे के बारे में निर्णय लेते समय सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ को ध्यान में रखें और प्रासंगिक विशेषज्ञों या ऐसे लोगों से परामर्श करें जो शोषण से बच गए हैं।**

6.4 **किसी भी भुगतान के रूप को निर्धारित करें (उदाहरण के लिए उपहार कार्ड, भोजन, शैक्षिक सामग्री) और इसे कौन प्राप्त करेगा - बच्चा, माता-पिता या अभिभावक, वर्ग या समुदाय।**

6.5 **इस बारे में सोचें कि कब और कैसे भुगतान के बारे में जानकारी का खुलासा किया जाए, (सहमति प्रक्रिया के दौरान या शोध में भाग लेने के लिए बच्चे की सहमति के बाद या शोध के अंत में ?)**

जहां बच्चे शामिल होते है, वहां आपको अपनी शोध परियोजना के लिए लागतों का बजट बनाना चाहिए, , जैसे कि परिवहन, आवास, भोजन, अनुवादक, उपयुक्त बाल-अनुकूल स्थान, बच्चों के साथ उचित रूप से संचार करने के लिए सामग्री (जैसे प्ले थेरेपी किट), कर्मचारियों का समय और बाहरी विशेषज्ञ को लेने का खर्चा ।

भागीदारी के लिए भुगतान के संबंध में, स्थानीय विशेषज्ञों से परामर्श कर के यह सुनिश्चित करना चाहिए कि क्या उचित रहेगा । मुआवजे के विचार में यह सुनिश्चित करना शामिल है कि भुगतान प्रतिभागियों और बहिष्कृत लोगों के बीच हिंसा या संघर्ष का कारण नहीं बनेगा, यह आय के किसी भी नुकसान के लिए मध्यस्थता करता है, और यह सुनिश्चित करता है कि यह प्रतिभागियों को भाग लेने के लिए, या गलत डेटा प्रदान करने के लिए प्रेरित नहीं करता है।

6.6

भुगतान भाग लेने के निर्णय को अनावश्यक रूप से प्रभावित नहीं करेगा।

6.7

शोध में भाग लेने का अर्थ यह नहीं होगा कि, आमदनी में कमी हो या बच्चे को रोज़मर्रा की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ जैसे शिक्षा आदि में बाधा हो ।

6.8

बच्चों को शामिल करने की लागत पर विचार किया गया है (उदाहरण के लिए परिवहन, आवास, भोजन, अनुवादक, स्थान, बच्चों के साथ संचार के लिए सामग्री आदि)।

* **प्रोत्साहन भुगतान को अनुसंधान में बच्चों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये नकद भुगतान या वाउचर जैसे विकल्प हो सकते हैं। शोध में भाग लेने के लिए अनुनय का उपयोग विवादास्पद है। See Graham, A., Powell, M., Taylor, N., Anderson, D. & Fitzgerald, R. (2013). Ethical Research Involving Children. Florence: UNICEF Office of Research – Innocenti; p.89.**

7. हितों के संघर्ष

किसी भी शोध को अंजाम देते समय हमेशा हितों के संभावित टकराव होते हैं, जो शोध निष्कर्षों को प्रभावित या गलत कर सकते हैं। हितों का सबसे परिचित संघर्ष वित्तीय हैं। यह विशेष डोनर के अनुरोध के कारण या केवल वित्त पोषित कार्यक्रमों में निष्कर्षों पर अनुवर्ती समर्थन, के कारण अनुसंधान की योजना बनाने से हो सकती हैं।

नैतिक कार्य

7.1 **किसी भी संभावित "हितों के संघर्ष" की पहचान की गई है, और आपके शोध डिजाइन में इसका उल्लेख किया गया है और इनका निवारण करने के लिए, एक सहमत प्रक्रिया है।**

7.2 **शोधकर्ताओं के ऐसे कोई व्यक्तिगत विश्वास या भेदभाव नहीं है, जो अध्ययन किए जा रहे मुद्दे के साथ सीधे विरोधाभास में हैं।**

7.3 **भले ही दाताओं ने अनुसंधान डिजाइन में इनपुट प्रदान किया हो, वे डेटा विश्लेषण में शामिल नहीं हैं।**

संघर्ष कई अन्य प्रतिस्पर्धी हितों जैसे कैरियर की उन्नति, सहकर्मियों या मित्र के प्रति प्रतिबद्धताओं या एक शोधकर्ता की 'स्थिति' से भी आ सकता है।(स्थितिमकता, सामाजिक या राजनीतिक प्रभावों को संदर्भित करती है जो हमें किसी विशेष तरीके से निष्कर्षों की व्याख्या करने के लिए प्रेरित कर सकती है) शोधकर्ताओं को हमेशा स्थिति या शक्ति संबंधों के प्रति सचेत रहना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए अन्य विशेषज्ञों से परामर्श करें कि आप स्वयं इन से अवगत हैं और प्रतिभागियों की आवाज़ को विकृत करने में अपने प्रभाव को कम करो।

7.4

किसी भी संभावित "हितों के संघर्ष" से बचाव के लिए, तीसरे पक्ष की समीक्षा के लिए एक प्रक्रिया है

7.5

सभी शोध निष्कर्षों को सही और ईमानदारी से सूचित किया जाएगा (कोई साहित्यिक चोरी नहीं किया जायेगा , निष्कर्षों को उत्पन्न नहीं किया जायेगा , परिणामों के साथ कोई तोड़ मरोड़ नहीं किया जायेगा , और किसी भी प्रकार के पूर्वाग्रह से मुक्त होंगे)।

चरण ३: लाभ हानि का विश्लेषण

अब जब आपने नैतिकता के कार्यों पर विचार कर लिया है, तो अपने शोध के सभी संभावित सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों की पहचान करने और उनका आकलन करने की निम्न औपचारिक प्रक्रिया से गुजरें। इसमें उन सभी लाभों पर विचार करना शामिल है, जिनके बारे में आप सोच सकते हैं, और सभी संभावित नुकसान। फिर हानि की लागत की तुलना में कुल लाभों का मिलान करें।

a) तालिका का उपयोग करके, अपने शोध के सभी संभावित नुकसानों और लाभों को सूचीबद्ध करें

b) लाभ बढ़ाने और नुकसान की भरपाई के लिए रणनीति शामिल करें

c) इस संभावना की दर बताइए कि रणनीतियाँ पूरी तरह से नुकसान पहुँचाएंगी (पूरी तरह, आंशिक रूप से, सीमित तरीके से)

d) तालिका टैली करें:

- यदि आपके पास एक सकारात्मक स्कोर है, और आपके द्वारा सूचीबद्ध की जाने वाली हानि निरर्थक / मामूली है, तो आगे बढ़ें।
- यदि आपके पास एक नकारात्मक स्कोर और मध्यम / प्रमुख हानि है, तो बदलाव करने के बारे में या अनुसंधान के साथ आगे नहीं बढ़ने का विचार कर सकते हैं।

चरण ४: तृतीय पक्ष समीक्षा

नैतिक दिशा-निर्देशों का पालन करने के हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, अंत में, वे अभी भी मूल्य आधारित, व्यक्तिगत निर्णय और विभिन्न व्याख्याओं के लिए खुले हो सकते हैं। बच्चे के सर्वोत्तम हित का मार्गदर्शक सिद्धांत भी मूल्यांकन और लागू करने के लिए चुनौतीपूर्ण बन सकता है।

यहां पर अन्य लोगों द्वारा समीक्षा (थर्ड पार्टी रिव्यू) सहायता कर सकती है। कुछ देशों में आपको पहले से ही एक संवैधानिक समीक्षा बोर्ड (शैक्षणिक या सरकारी) के अनुमोदन के लिए अपना शोध डिजाइन प्रस्तुत करने के लिए कानून की आवश्यकता हो सकती है। यदि आपको कानूनी रूप से आवश्यक नहीं है, तो आप अभी भी अन्य लोगों द्वारा समीक्षा प्राप्त कर सकते हैं - यहां तक कि बाहरी विशेषज्ञों की एक समिति या समूह की स्थापना करके जो सहायक और रचनात्मक प्रतिक्रिया दे सकता है (जिसे कभी-कभी अनुसंधान सलाहकार समिति भी कहा जाता है)।

ये समितियाँ एक या कई शोध परियोजनाओं का समर्थन कर सकती हैं। समिति में कुछ विशेषज्ञ, बाल संरक्षण चिकित्सक, अनुसंधान कौशल वाले लोग और शिक्षाविद शामिल होने चाहिए। वे आपकी शोध योजनाओं और जोखिम लाभ विश्लेषण तालिका की समीक्षा करने और प्रतिक्रिया देने के लिए दूरस्थ स्थान से काम कर सकते हैं या व्यक्ति से मिल सकते हैं।

परिषिस्ट: लाभ हानि तालिका

परिणाम बॉक्स में नंबर डालें	
1 = तुच्छ	3 = मध्यम
2 = मामूली	4 = प्रमुख

लाभ

सामाजिक_____ लाभ बढ़ाने के लिए नैतिक रणनीति: _____

परिणाम

आर्थिक_____ लाभ बढ़ाने के लिए नैतिक रणनीति: _____

परिणाम

मनोवैज्ञानिक_____ लाभ बढ़ाने के लिए नैतिक रणनीति: _____

परिणाम

कानूनी _____ लाभ बढ़ाने के लिए नैतिक रणनीति: _____

परिणाम

सामाजिक_____ लाभ बढ़ाने के लिए नैतिक रणनीति: _____

परिणाम

राजनीतिक _____ लाभ बढ़ाने के लिए नैतिक रणनीति: _____

परिणाम

कुलयोग:

हानि

सामाजिक_____ हानि कम करने के लिए नैतिक रणनीति:_____

परिणाम

आर्थिक_____ हानि कम करने के लिए नैतिक रणनीति:_____

परिणाम

मनोवैज्ञानिक_____ हानि कम करने के लिए नैतिक रणनीति:_____

परिणाम

कानूनी _____ हानि कम करने के लिए नैतिक रणनीति:_____

परिणाम

सामाजिक_____ हानि कम करने के लिए नैतिक रणनीति:_____

परिणाम

राजनीतिक _____ हानि कम करने के लिए नैतिक रणनीति:_____

परिणाम

कुलयोग:

लाभ - हानि = परिणाम — =

328/1 Phaya Thai Road, Ratchathewi, Bangkok, 10400 THAILAND
Tel: +662 215 3388 | Email: info@ecpat.org
Website: www.ecpat.org